शुक्लाम्बरधरं विष्णुम्

इन पाठों के बारे में

स्रोत	हर पाठ अपने स्रोत, परम्परा और संस्करण के साथ छपा है। अन्य परम्पराओं और संस्करणों में शब्दों में थोड़ा अन्तर हो सकता है।
लिप्यन्तरण	रोमन पंक्ति देवनागरी से बना IAST लिप्यन्तरण है (ā = दीर्घ आ, ṃ = अनुस्वार, ḥ = विसर्ग, ś/ṣ = श/ष, c = च)। हिन्दी, अवधी और ब्रज पाठों में शब्द के अन्त का मौन 'अ' नहीं लिखा जाता। लिप्यन्तरण में वैदिक स्वर नहीं दिखते।

शुक्लाम्बरधरं विष्णुम्

प्रकार	ध्यान श्लोक
देवता	श्री गणेश
संस्करण	प्रचलित पाठ
परम्परा	स्मार्त
स्रोत	पारम्परिक भक्ति पाठ (प्रचलित मुद्रित एवं मौखिक रूप) — Traditional verse
आभार	पारम्परिक; सार्वजनिक।

शुक्लाम्बरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजम् ।

śuklāmbaradharaṃ viṣṇuṃ śaśivarṇaṃ caturbhujam |

प्रसन्नवदनं ध्यायेत् सर्वविघ्नोपशान्तये ॥

prasannavadanaṃ dhyāyet sarvavighnopaśāntaye ||

अर्थ

सभी विघ्नों की शान्ति के लिए श्वेत वस्त्र धारण करने वाले, चन्द्रमा के समान वर्ण वाले, चार भुजाओं वाले, प्रसन्न मुख वाले सर्वव्यापी देव का ध्यान करें।

स्रोत-सहित पारम्परिक पाठ। किसी निश्चित परिणाम का दावा नहीं।

इस दस्तावेज़ के बारे में

इस दस्तावेज़ के पाठ सार्वजनिक (पब्लिक डोमेन) पारम्परिक भक्ति पाठ हैं या हमारी टीम द्वारा लिखे गए हैं, और अपने दर्ज स्रोत व संस्करण के साथ छपे हैं।

अर्थ हमारे शब्दों में संक्षिप्त व्याख्याएँ हैं, विद्वत्तापूर्ण अनुवाद नहीं। किसी पाठ के अपने श्लोकों में बताए लाभ पाठ का अंश हैं, गारण्टी नहीं।

कुछ साधनाएँ परम्परा से गुरु-मार्गदर्शन में की जाती हैं। अपनी परम्परा के मार्गदर्शन का पालन करें।